हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 38 देहरादून, शुक्रवार, 28 जुलाई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

सीएम धामी ने IPS कैडर में प्रोन्नत अधिकारियों का बैच अलंकरण कर शुभकामनाएं दी 3

मुख्यमंत्री धामी से मिला नेपाल का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमण्डल, सहयोग पर बनी सहमति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 जुलाई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में नेपाल के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमण्डल ने भेंट की। उन्होंने भारत-नेपाल से जुड़े विभिन्न सम सामयिक विषयों पर मुख्यमंत्री से चर्चा की। प्रतिनिधिमण्डल में पम्पा भूसाल, रामेश्वर राय यादव, सत्या पहाड़ी, सुरेश कुमार राय, चक्रपाणि खनल 'बलदेव' शामिल थे।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत और नेपाल के लोगों में रहन-सहन, धार्मिक रीति-रिवाजों में काफी समानताएं हैं। उत्तराखण्ड का बड़ा क्षेत्र नेपाल की सीमा से लगा हुआ। भारत और नेपाल की चुनौतियां भी लगभग एक जैसी हैं। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों से कहा कि नेपाल के विकास के लिए जो भी सहयोग की आवश्यकता होगी, हर संभव मदद की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा उत्तराखण्ड में मानसखण्ड मंदिरमाला मिशन के तहत कार्य किये जा रहे हैं, इसके तहत पहले चरण में 16 मंदिरों को इससे जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल का भी काफी क्षेत्र मानसखण्ड में आता है। नेपाल में भी मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत कार्य हों, तो पर्यटन एवं तीर्थाटन के लिए उत्तराखण्ड आने वाले लोगों का रूझान नेपाल की ओर भी बढ़ेगा। जिससे लोगों को आजीविका बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में जन सुविधाओं के दृष्टिगत अनेक योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना के तहत पर्वतीय जनपदों में बहुत कम रेट पर साइलेज उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य के गढ़वाल एवं कुमायूं मण्डल में एक-एक इंक्यूबेटर सेंटर बनाया गया है। जिनके माध्यम से लोगों की आजीविका बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण एवं अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। इस तरह के मॉडल पर नेपाल में कार्य किये जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में महिला स्वयं सहायता समूहों को 05 लाख रूपये तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है, इसके माध्यम से महिलाएं आत्म-निर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ी हैं। अपणि सरकार पोर्टल के माध्यम से अधिकांश जन सुविधायें ऑनलाइन की गई हैं। इस तरह की योजनाओं को नेपाल में आगे बढ़ाने के लिए राज्य से उनको जो भी सहयोग की अपेक्षा होगी, वह सहयोग दिया जायेगा।

पम्पा भूसाल ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश को एक युवा और उर्जावान नेतृत्व मिला है। उन्होंने कहा कि मानसखण्ड के तहत जिस योजना से उत्तराखण्ड सरकार कार्य कर रही है, नेपाल के पर्यटन मंत्री को वे इसकी जानकारी देंगी। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं का क्रियान्वयन उत्तराखण्ड में बेहतर तरीके से हो रहा है और वे नेपाल के हित में भी होंगी, इन योजनाओं के अध्ययन के लिए समय-समय पर नेपाल से डेलिगेशन भेजने के लिए भी नेपाल सरकार से वार्ता की जायेगी।इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, मेयर सुनील उनियाल गामा, भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बड़ी नदियों के जलस्तर की रिपोर्ट प्रत्येक घंटे में अपडेट करें : डॉ रंजीत कुमार सिन्हा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सौजन्य से - सू.वि.

देहरादून , 28 जुलाई , सचिव आपदा प्रबंधन डॉ रंजीत कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में सचिवालय में उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों विशेष रूप से राज्य के मैदानी क्षेत्रों के लिए बाढ़ प्रबंधन योजना बनाए जाने के संबंध में बैठक आयोजित की गई । सचिव आपदा प्रबंधन ने सिंचाई विभाग उत्तराखंड, सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश, केंद्रीय जल आयोग, आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियो को आपसी समन्वय के साथ बाढ़ प्रबंधन योजना पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा केन्द्रीय जल आयोग वेबसाइट में समस्त बड़ी नदियों के जलस्तर की रिपोर्ट प्रत्येक घंटे में अपडेट करें।सचिव आपदा प्रबंधन ने कहा कि राज्य के पहाड़ी एवं मैदानी क्षेत्रों की नदियों के जल संग्रहण क्षेत्र में होने वाली वर्षा के साथ ही ऊपरी क्षेत्र में नदियों के जल स्तर व जल प्रवाह की जानकारी के आधार पर बाढ़ से प्रभावित हो सकने वाले मैदानी क्षेत्रों के लिये चेतावनी की व्यवस्था मजबूत की जाए ताकि समय रहते प्रभावित हो सकने वाले जनसमुदाय को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाये जा सके।

सचिव आपदा प्रबंधन ने कहा कि केन्द्रीय जल आयोग द्वारा उत्तराखण्ड में मात्र चार स्थान रुद्रप्रयाग, श्रीनगर, ऋषिकेश, तथा हरिद्वार के लिये बाढ़ पूर्वानुमान से सम्बन्धित जानकारियां उपलब्ध करवाई जाती है। कुमाऊं मण्डल में किसी भी क्षेत्र के लिये बाढ़ पूर्वानुमान (Flood forecasting) से सम्बन्धित कोई भी सूचना उपलब्ध नहीं करवायी जाती है।

उन्होंने केन्द्रीय जल आयोग के अधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि कुमाऊं मण्डल की प्रमुख नदियों में भी बाढ़ पूर्वानुमान व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सचिव आपदा प्रबंधन ने कहा कि केन्द्रीय जल आयोग के कुमाऊं डिविजन, आपदा प्रबंधन कार्यालय देहरादून में भी सूचनाओं के आदान-प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा भारतीय सर्वेक्षण विभाग से सम्पूर्ण राज्य के डिजिटल टोपेग्राफिक मानचित्र प्राप्त कर मानचित्र पर आंकड़ों को रेखांकित किया जाए तथा उन समस्त आंकड़ों का MIS तथा Algorithm तैयार तदसम्बन्धित आंकड़ो को जी.आई.एस मैप पर अपडेट किया जाए ताकि नदियों के जलस्तर के अनुसार आबादी वाले क्षेत्रों हेतु पूर्व में ही सटीक चेतावनी जारी की जा सके।

सचिव आपदा प्रबंधन ने कहा कि सिंचाई विभाग द्वारा राज्य की समस्त नदियों के पूर्व से चिन्हित स्थानों तथा अन्य असुरक्षित महत्वपूर्ण स्थलों पर प्रत्येक वर्ष दिसम्बर-जनवरी माह में क्रॉस सेक्शन लिया जाये ताकि समय से नदियों की training/dredging की कार्यवाही वैज्ञानिक तरीके से की जा सके तथा क्रॉस सेक्शन के आधार पर नदियों के जल-प्रवाह का आंकलन कर चेतावनी जारी की जा सके।सचिव आपदा प्रबंधन द्वारा वांछित बाढ़ पूर्वानुमान तथा जल भराव के दृष्टिगत सिंचाई विभाग देहरादून को एक कांसेप्ट नोट तैयार किये जाने हेतु निर्देशित किया गया ताकि तद्नुसार केन्द्रीय जल आयोग से कार्यवाही हेतु अनुरोध किया जा सके।बैठक में केंद्रीय जल आयोग, सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश, सिंचाई विभाग उत्तराखंड के अधिकारी तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बदलते मौसम के साथ उत्तराखंड में तेजी से फैल रहा Eye Flu, ऐसे करें बचाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 28 जुलाई : बदलते मौसम के साथ ही कई मौसमी बीमारियां दस्तक देती हैं। इस मानसून काल में प्रदेश में आंखों में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। कई स्कूलों के बच्चे इसकी चपेट में आ रहे हैं। क्या है वायरल कंजक्टिवाइटिस (Eye Flu) वायरल कंजक्टिवाइटिस आंख का संक्रमण है। इसके कारण कंजक्टिवा, पलकों के अंदर और आंख के सफेद हिस्से को ढकने वाली झिल्ली में सूजन आ जाती है। आंखें लाल हो जाती हैं।

आमतौर पर वायरल कंजक्टिवाइटिस एडिनोवायरस के कारण होता है। जो कि संक्रमित व्यक्ति की आंखों से निकलने वाले स्राव के संपर्क में आने से फैलता है। इसके साथ ही संक्रमित व्यक्ति के तौलिया, वाश क्लॉथ या आंखों के मेकअप के संपर्क में आने से भी ये फैलाता है। आई फ्लू के लक्षणों में सबसे आम आंखें लाल होना और आंखों में खुजली होना है। इसके साथ ही सूजी और चढ़ी हुई आंखें, आंखों से पानी या चिपचिपा पदार्थ निकलना, आंखों में जलन या खुजली महसूस होने के साथ ही सुबह पलकों पर पपड़ी जमना आई फ्लू के लक्षण हैं। राहत के लिए अपनाए ये उपाय आई फ्लू से राहत के लिए अपनी आंखों पर ठंडा सेक लगाना चाहिए। इसके साथ ही अपनी आंखों को भी ना मिले। अगर आंखों में जलन या खुजली ज्यादा महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

इन बातों को रखें खास ध्यान

हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोएं।

आंखों को बार-बार छूने से बचें।

आई फ्लू होने पर आंखों के मेकअप से बचें।

आई फ्लू होने पर स्विमिंग न करें।

दूसरों के साथ तौलिया, वाश क्लॉथ या आंखों का मेकअप साझा करने से बचें।

कांटेक्ट लेंस बाहर निकालें और निर्माता के निर्देशों के अनुसार ही साफ करें।

आंखों के संपर्क में आने वाली किसी भी सतह को साफ और कीटाणु रहित करें।

देहरादून में कुत्तों का आतंक, हर दिन सौ मरीज पहुंच रहे हैं अस्पताल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 जुलाई : उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में लोग जहां बाघ-गुलदार की दहशत का सामना कर रहे हैं तो वहीं शहरी इलाकों में कुत्तों ने आतंक मचाया हुआ है। राजधानी देहरादून में भी लोगों का सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है। आवारा कुत्तों ने लोगों का चैन छीन लिया है। गली-मोहल्लों में कुत्ते राह चल रहे लोगों-बच्चों पर हमला कर रहे हैं। बीते दिन दून मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में डेढ़ सौ लोग एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने पहुंचे। ऐसे में आप खुद समझ सकते हैं कि समस्या कितनी गंभीर है।

मेडिकल कॉलेज के इंजेक्शन कक्ष में डेढ़ सौ से ज्यादा पीड़ित लोगों को वैक्सीन लगाई गई। इनमें से 75 लोग पहली डोज के लिए अस्पताल पहुंचे थे। शहर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय, जिला चिकित्सालय में भी डॉग बाइट से पीड़ित 55 मरीजों को इंजेक्शन लगाए गए। दून अस्पताल में पीड़ित मरीजों से एंटी रेबीज सीरम बाहर से मंगवाए जा रहे हैं। यह मोनोक्लोनल एंटीबॉडी होता है, और जहां कुत्ता काटता है,

उस जगह पर हुए जख्म पर इंजेक्शन के जरिए लगाया जाता है। दून मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने कहा कि अस्पताल में डॉग बाइट के केस प्रॉपर तरीके से हैंडल किए जा रहे हैं। अस्पताल में वैक्सीन की कमी नहीं है। अगर कुत्ता काट ले तो लापरवाही न बरतें। ऐसा करना जानलेवा हो सकता है। कुत्ते द्वारा काटे जाने पर पीड़ित को तुरंत टिटनेस का इंजेक्शन लगवाना चाहिए, साथ ही 24 घंटे के भीतर एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवा लें। डॉक्टर से सलाह लेकर एंटी-बायोटिक दवाओं का कोर्स करें। सावधान रहें और इलाज में देरी न करें।

देहरादून के मनोज सेमवाल ने शुरु की ड्रैगन फ्रूट की खेती, हो रही है शानदार कमाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 जुलाई : पलायन से लड़ना है तो हमें स्वरोजगार को अपनाना होगा। देहरादून के रहने वाले मनोज सेमवाल यही कर रहे हैं। मनोज ने ड्रैगन फ्रूट की खेती को अपने रोजगार का जरिया बनाया और आज वो सफल मॉडल पेश कर दूसरों के लिए तरक्की की मिसाल बन गए हैं। मनोज सेमवाल नवादा में रहते हैं। उन्हें ड्रैगन फ्रूट की खेती का आइडिया कैसे मिला, इसके पीछे एक गजब कहानी है।

मनोज बताते हैं कि साल 2017 में जब पीएम नरेंद्र मोदी उत्तराखंड दौरे पर आए थे तो जिस होटल में उनके भोजन का इंतजाम था, वहां उन्होंने ड्रैगन फ्रूट को पहली बार देखा। पीएम मोदी को यह फल पसंद है। इस तरह मनोज की इस फल में रुचि पैदा हुई और उन्होंने इसकी जानकारी जुटाना शुरू कर दिया। कई साल की रिसर्च के बाद उन्होंने साल 2021 में चंडीगढ़, गुजरात और वियतनाम से ड्रैगन फ्रूट के 250 पौधे मंगाए, और आज ये पौधे ड्रैगन फ्रूट से भरे नजर आ रहे हैं। इसकी फसल दो साल में तैयार हो जाती है। अच्छी तरह देखभाल की जाए तो एक बार पौधा लगाने पर 25 से 30 साल तक कमाई हो सकती है। ड्रैगन फ्रूट काफी महंगा फल है। इसकी कीमत 150 से 200 रुपये किलो तक होती है।

ड्रैगन फ्रूट की खूबियां भी बताते हैं। इसमें विटामिन सी, विटामिन बी1, बी2, बी3 और एंटी कार्सिनोजन एजेंट्स पाए जाते हैं। इसके सेवन से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद मिलती है। कैंसर रोगियों, प्रेग्नेंट महिलाओं, शुगर पेशेंट और ज्वाइंट पेन से जूझ रहे लोगों के लिए ड्रैगन फ्रूट बेहद फायदेमंद होता है। एक ड्रैगन फ्रूट खाने से 8 सेब या 4 कीवी के बराबर पोषण मिलता है। ड्रैगन फ्रूट भारत का स्थानीय फल नहीं है। यह मूल रूप से दक्षिण अमेरिकी देशों में जंगली फल के तौर पर मिलता है। मलेशिया, थाईलैंड, फिलीपींस, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और वियतनाम में इसकी बड़े स्केल पर खेती हो रही है। भारत में गुजरात में बड़े पैमाने पर ड्रैगन फ्रूट उगाया जा रहा है। मनोज सेमवाल कहते हैं कि उत्तराखंड में ड्रैगन फ्रूट की खेती युवाओं के लिए आय का बेहतर जरिया बन सकती है। अगर किसी के पास खाली जमीन है तो वहां ड्रैगन फ्रूट की खेती कर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है।

उत्तराखंड के 760148 किसानों को 168 करोड़ रूपये की धनराशि हस्तान्तरित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 जुलाई , पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत उत्तराखण्ड के 760148 लाभार्थी किसान परिवारों को 14वीं किस्त डीबीटी के माध्यम से 168 करोड़ रूपये की धनराशि हस्तान्तरित की गई है। इसके साथ ही उत्तराखण्ड को 300 किसान उत्पादक समूहों (एफपीओ) बनाने का लक्ष्य मिला हैं जिसके सापेक्ष राज्य में 207 एफपीओ का गठन हो चुका है। गुरूवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सीकर, राजस्थान से देशभर के किसानों को सम्बोधित कार्यक्रम को देहरादून में प्रदेशभर से उपस्थित किसानों ने वर्चुअल माध्यम से सुना।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेशभर से आए किसानों को सम्बोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के किसानों को मजबूत करने का कार्य किया है। केन्द्रीय कृषि बजट वर्ष 2014 में 23000 करोड़ से बढ़कर वर्तमान में 125000 करोड़ पहुंच गया है। कृषि बजट में यह वृद्धि पांच गुना से अधिक है। कृषि और कृषक कल्याण केन्द्र तथा राज्य सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को डीबीटी के माध्यम से सभी योजनाओं का पूरा लाभ मिल रहा है। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों से देहरादून के किसान भवन में किसान कॉल सेंटर खोलने की योजना पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

सचिव दीपेन्द्र कुमार चौधरी ने जानकारी दी कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत उत्तराखण्ड के 760148 किसान परिवार लाभान्वित हुए हैं जिन्हें आज 14वीं किस्त डीबीटी के माध्यम से 168 करोड़ रूपये की धनराशि हस्तान्तरित की गई है। इसके साथ ही उत्तराखण्ड को 300 किसान उत्पादक समूह (एफपीओ) के गठन का लक्ष्य मिला हैं जिसके सापेक्ष राज्य में 207 एफपीओ का गठन हो चुका है। पर्वतीय राज्यों में एक एफपीओ में कम से कम 100 काश्तकारों को रखा गया है। एफपीओ के गठन के पीछे भारत सरकार की एक दूरदर्शी सोच रही है। केन्द्र सरकार ने 6865 करोड़ रूपये के साथ अगले तीन साल में 10000 एफपीओ बनाने का लक्ष्य रखा है। उत्तराखण्ड सरकार ने भी राज्य में कृषि के विकास के लिए बहुत सी महत्वकांक्षी योजनाएं प्रदेश में लागू की हैं। इनमें प्राकृतिक खेती योजना, नमामि गंगे प्राकृतिक खेती योजना, मिलेटस योजना, स्थानीय प्रजाति प्रोत्साहन योजना तथा सिचांई के साधनों का विकास करना आदि प्रमुख हैं।

राज्य में फल, सब्जी तथा फूलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए 8000 पॉलीहाउस आगामी 1-2 वर्ष में बनाने का लक्ष्य है। इसके लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी में काश्तकारों द्वारा आवेदन किया जा सकता है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि काश्तकारों की आय में बढ़ोतरी की जाय। जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा प्रसंस्करित स्थानीय उत्पादों के लिए बाजारों में स्थान उपलब्ध करवाया जाए। कार्यक्रम में विधायक मुन्ना सिंह चौहान , जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान , उत्तराखण्ड राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष राकेश राजपूत, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेन्द्र सिंह पुण्डीर, डीजी कृषि रणवीर सिंह चौहान, कृषि विभाग के अन्य अधिकारी तथा प्रदेशभर से बड़ी संख्या में आए किसान मौजूद रहे।

सीएम धामी ने IPS कैडर में प्रोन्नत अधिकारियों का बैच अलंकरण कर शुभकामनाएं दी

देहरादून , 28 जुलाई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सचिवालय में आई.पी.एस. कैडर में प्रोन्नत पुलिस सेवा के अधिकारियों ने भेंट की। इनमें प्रमेन्द्र डोभाल, कमलेश उपाध्याय, तथा ममता बोहरा शामिल थे। मुख्यमंत्री ने तीनों अधिकारियों का बैच अलंकरण कर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार, सचिव मुख्यमंत्री आर.मीनाक्षी सुन्दरम, विनय शंकर पाण्डेय उपस्थित थे।

नई शिक्षा नीति लागू होने से हमारी बुनियाद मजबूत होगी : क्षेत्रीय अधिकारी रणवीर सिंह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 जुलाई : भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू हुए तीन वर्ष पूरे होने जा रहे है। केंद्र विद्यालय हाथीबड़कला 1 मैं प्रेस वार्ता की गई जिसमे के वी एस की डेप्युटी कमिश्नर सुकीर्ति रायवानी ने यह जानकारी दी कि 29 जुलाई को राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू हुई 3 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इन 3 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन हुआ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बच्चों के विशेष गुणों को निखारने का कार्य किया जा रहा है वहीं रोड पट्टी के नियमों से बच्चों को बाहर निकाल कर अवधारणा शक्ति की तरफ अग्रसारित किया जा रहा है।

साथी बच्चों में एक वैज्ञानिक सोच डिवेलप हो इस तरफ भी खास ध्यान दिया जा रहा है। और विशेष तौर पर प्रधानमंत्री जी की सोच के तहत आत्मनिर्भर भारत बने उस दिशा में भी कदम बढ़ाए जा रहे हैं। वही इस कार्यक्रम में मौजूद सीबीएसई के क्षेत्रीय अधिकारी रणवीर सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति लागू होने से हमारी बुनियाद मजबूत होगी बच्चे अगर शुरुआती दौर में अपनी सोच को विस्तार देने में सफल होते हैं तो निश्चित रूप से इसके परिणाम धीरे-धीरे आगे मिलेंगे और प्रधानमंत्री की जो सोच है की युवा मजबूत तो भारत मजबूत निश्चित रूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से हम इस कार्य को करने में सफल होंगे।

संक्षिप्त खबरें

नई शिक्षा नीति की बताई उपयोगिता

पिथौरागढ़। केंद्रीय विद्यालय में प्राचार्या कमला निखुर्पा ने नई शिक्षा नीति को लेकर पत्रकार वार्ता की। प्राचार्या निखुर्पा ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति बच्चों के लिए काफी उपयोगी है। आधुनिक परिवेश में बच्चों को सीखने की क्षमता विकसित होगी। इस दौरान परीक्षा के तनाव को दूर करने के लिए विद्यार्थियों के गीत को दिखाया गया। इस दौरान अशोक ओझा,जगदीश पांडे,शैलेष गुप्त,आशा जोशी सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

केएमवीएन कर्मियों ने गांधीवादी तरीके से पौध लगाकर किया आंदोलन

पिथौरागढ़। संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं मंडल विकास निगम के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी के नेतृत्व में निगम कर्मियों ने गांधीवादी तरीके से पेड़ लगाकर आंदोलन किया। इस दौरान उन्होंने दो सूत्रीय मांगें रखी। निगम के आवास गृह निजी हाथों में नहीं दिए जाने की मांग की गई। गुरुवार को 8वें दिन भी निगम के कर्मचारियों ने सत्याग्रह जारी रखा। आवास गृह, गैस एजेंसी सहित अन्य इकाइयों के परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौध का रोपण किया गया। गुरुरानी ने कहा कि निगम कर्मचारियों ने सभी जनपदों से मुख्यमंत्री को अपनी 2 सूत्रीय मांग का ज्ञापन भेजा है। कहा कि सीएम से पर्यटन विकास परिषद की तरफ निकाली गई निविदा को निरस्त करने के साथ दोनों निगमों के किसी भी आवास गृह को निजी क्षेत्र में नहीं देने की मांग की गई है। शासन स्तर पर 12 अप्रैल को हुए समझौते के तहत संविदा कर्मचारियों को समान कार्य समान वेतन देने की भी मांग की गई है।

शिक्षकों की नियुक्ति की मांग

चम्पावत। नेपाल सीमा से लगे जीआईसी दिगालीचौड़ में पीटीए और एसएमसी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावकों ने विद्यालय की समस्याओं पर चर्चा की। इस मौके पर विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य घनश्याम भट्ट की अध्यक्षता और डॉ.सुधाकर जोशी के संचालन में आयोजित बैठक में अभिभावकों ने विद्यालय की चाहर दिवारी निर्माण की मांग की। इसके अलावा स्कूल में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति का मुद्दा उठाया। कहा कि विद्यालय में 10 साल से संस्कृत प्रवक्ता का पद रिक्त चल रहा है जबकि जीव विज्ञान प्रवक्ता का स्थानान्तरण होने से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। अभिभावकों ने जल्द समस्या का समाधान की मांग की। यहां पीटीए की कार्यकारिणी में ध्रुव सिंह अध्यक्ष, दलीप सिंह उपाध्यक्ष चुने गए। एसएमसी के लिए जोगा राम को दोबारा सर्व सम्मति से अध्यक्ष चुना गया। यहां पूर्व पीटीए अध्यक्ष मुन्नी देवी, फतेह सिंह भंडारी, हरी सिंह, आनंद राम, कमला देवी, शिक्षक प्रयाग दत्त मुरारी, कमलेश जोशी, सुशील कुमार, नवीन भट्ट, गणेश पंत, ललिता वर्मा रहे।

पीएलवी लोगों को करें जागरूक

चम्पावत। चम्पावत जिला न्यायालय में गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी पसबोला ने कहा कि पीएलवी अपने अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करें। साथ ही उन्हें कानूनी जानकारियां दें। यहां हुए प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम में सचिव ने कहा कि पीएलवी ई-टू कॉपी, माड्यूल ई-सेवा केंद्र और ई-फिलिंग केंद्र के बारे में लोगों को बताएं।

शारदा नदी से हो रहे भू-कटाव से निजात दिलाई जाए

चम्पावत। टनकपुर के गैड़ाखाली गांव के ग्रामीणों ने शारदा नदी से हो रहे भू-कटाव से निजात दिलाने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में कैंप कार्यालय के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा है। गुरुवार को गैड़ाखाली के ग्रामीणों ने कैंप कार्यालय में ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि उनकी कृषि योग्य भूमि नदी में शारदा नदी के तेज प्रवाह में बह गई है। बताया कि साल 2021 में आई आपदा में उचौलीगोठ से लेकर खेतखेड़ा, गैड़ाखाली, ध्यालखेड़ा सहित तमाम गांव की सैकड़ो बीघा कृषि योग्य भूमि नदी की भेंट चढ़ गई थी।

सड़क निर्माण के लिए लैंड ट्रांसफर के कार्यों को प्राथमिकता पर निपटाए : रीना जोशी, डीएम पिथौरागढ़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 27जुलाई, 2023 जनपद में सीमा सड़क संगठन द्वारा प्रस्तावित सड़क मार्गों के निर्माण हेतु भूमि हस्तांतरण के संबंध में एक बैठक जिलाधिकारी पिथौरागढ़ रीना जोशी की अध्यक्षता में जिला कार्यालय कक्ष में संपन्न हुई।

बैठक में उपस्थित विभिन्न विभागीय अधिकारियों ने लंबित भूमि हस्तांतरण प्रकरणों से जिलाधिकारी को अवगत कराया जिस पर डीएम ने बैठक में उपस्थित ग्रिफ, बीआरओ,आईटीबीपी के अधिकारियों को भूमि हस्तांतरण प्रकरण पर लगी आपत्तियों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि लैंड ट्रांसफर के प्रपोजल को आगे भेजने से पूर्व उसकी सही प्रकार से जांच कर ली जाए ताकि लैंड ट्रांसफर का कार्य समय से हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्र में हर गांव के लिए सड़क आवश्यक है, इसलिए सर्वे का कार्य त्रुटि रहित ढंग से किया जाना चाहिए, इसके अतिरिक्त जहां बिना परमिशन के रोड काटी गई है उसका आपसी समन्वय से समाधान कर कार्य करें। इसके अलावा जिलाधिकारी ने सीमा सड़क संगठन के अधिकारियों को ग्राउंड लेबल में सर्वे कर डीपीआर बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में एसडीएम धारचूला दिवेश साशनी,एसडीएम सदर अनुराग आर्य, बीआरओ, ग्रिफ,आईटीबीपी के अधिकारी आदि उपस्थित थे ।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश महामंत्री ज्योति गैरोला की माताजी के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने पार्टी लीडर ज्योति गैरोला के आवास पर जाकर दिवंगत आत्मा की शान्ति और शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

ऑनलाइन पासपोर्ट कैसे करें अप्लाई ? पढ़िए फुल इनफार्मेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 जुलाई , आपका मन तो घूमने का है लेकिन पासपोर्ट नहीं है ? अप्लाई करना चाहते हैं लेकिन जानकारी कम है। तो फ़िक्र छोड़िये और ये खबर पढ़िए जहाँ हम बता रहे हैं पूरा प्रोसेस। इससे पहले आपको यह बता दें कि पासपोर्ट के लिए ऑनलाइन अप्लाई करना एक आसान प्रोसेस है। घर पर आराम से बैठे हुए आप अपनी एप्लीकेशन सबमिट कर सकते हैं। पासपोर्ट अप्लाई करने की पूरी जानकारी हम आपको यहां दे रहे हैं।

सबसे पहले आपको Passport Seva वेबसाइट पर जाना होगा और खुद को रजिस्टर करना होगा। अगर पहले से ही अकाउंट बना हुआ है तो उसे लॉगइन करें।इसके बाद Apply for Fresh Passport/ Re-issue of Passport पर क्लिक करें। एक एप्लिकेशन दी जाएगी उसमें पूछी गई सभी डिटेल्स को भर दें। फिर Submit पर टैप करें।अब फिर होम पेज पर जाएं और View Saved/Submitted Applications पर क्लिक करें।इसके बाद Pay and Schedule Appointment पर क्लिक करें।आप पासपोर्ट सेवा केंद्र का अप्लाइंटमेंट बुक कर सकते हैं।विकल्प चुनें और पेमेंट के लिए Proceed करें। प्रोसेस पूरा होने के बाद एप्लिकेशन रीसीट को डाउनलोड कर लें। इसके लिए Print Application Receipt पर क्लिक करें।आपको अपॉइंटमेंट डिटेल्स रिसीव हो जाएंगी।पासपोर्ट सेवा केंद्र जाते समय आपके पास सभी ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स का होना जरूरी है।

किन डॉक्यूमेंट्स की होगी जरूरत:

वर्तमान एड्रेस का प्रूफ- इसमें कोई भी यूटिलिटी बिल, इनकम टैक्स अस्सेमेंट ऑर्डर, इलेक्शन कमीशन फोटो आईडी, आधार कार्ड, रेंट एग्रीमेंट और पैरेंट्स पासपोर्ट कॉपी शामिल हैं। इनमें से कोई भी इस्तेमाल किया जा सकता है। डेट ऑफ बर्थ का प्रूफ- बर्थ सर्टिफिकेट, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड और पैन कार्ड में से कोई भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

कितने समय में पासपोर्ड पहुंचेगा घर

पासपोर्ट एप्लिकेशन भरते समय आवेदक ने जो भी एड्रेस दिया है उस एड्रेस पर स्पीड पोस्ट के जरिए पासपोर्ट भेजा जाता है। नॉर्मल पासपोर्ट के लिए प्रोसेसिंग का समय 30 से 45 दिन का होता है। वहीं, तत्काल मोड के तहत किए गए आवेदनों के लिए पासपोर्ट आवेदन का समय 7 से 14 दिन है। आप इंडिया पोस्ट के स्पीड पोस्ट पोर्टल पर उपलब्ध ट्रैकिंग यूटिलिटी सुविधा पर जाकर डिलीवरी स्टेटस को ट्रैक कर सकते हैं

ये स्पेशल चाय घटाती है वजन, बढ़ाती है ताकत

सांकेतिक चित्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 28 जुलाई : उम्र को मुट्ठी में करना सभी का सपना है। हर इंसान चाहता है कि जिंदगीभर उसके शरीर में जवानी की तरह ताकत और स्टेमिना रहे। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि एक पाकिस्तानी समुदाय के लोग सच में लंबे समय तक खुद को जवान रख सकते हैं। कई रिपोर्ट तो कह भी देती हैं कि ये 70 साल तक जवानों की तरह ताकतवर और हेल्दी रहते हैं। हुन्जा घाटी के लोग खुद को स्वस्थ रखने के लिए खास डाइट लेते हैं। उनकी औसत उम्र 100 साल से ज्यादा बताई जाती है और कुछ लोग तो 120 साल से ज्यादा भी जी लेते हैं। मेडिकल न्यूट्रिशनिस्ट विपिन राणा के अनुसार, ये खास तरह की चाय पीते हैं, जिसे हुंजा टी कहा जाता है। यह चाय ग्रीन टी या लेमन टी से कई गुना ज्यादा फायदेमंद है।चाय पीना भारतीयों की आदत है, जिसे छोड़ा नहीं जा सकता। लेकिन इसकी वजह से डायबिटीज, एसिडिटी, स्ट्रेस, इंसोम्निया, कैफीन की लत भी हो सकती है। इसलिए आप हुन्जा घाटी की चाय पीना शुरू करें। यह ग्रीन टी या दूध वाली चाय से काफी लाभदायक है। हालांकि, इसे डायबिटीज या मेडिटेशन पर डॉक्टरी परामर्श के बाद लें।

4 कप पीने का पानी , 12 पुदीना पत्ती , 8 तुलसी पत्ता, 4 हरी इलायची , 2 ग्राम दालचीनी , 20 ग्राम गुड़ सबसे पहले एक पैन में पानी डालें। अब जैसे ही पानी गर्म हो जाए तो इसमें सारी सामग्री डाल दें। इन मिक्सचर को 5-7 मिनट तक उबलने दें। उसके बाद कप में डालकर परोसें और गुनगुना ही पीएं। फ्लू और खांसी से राहत , जल्दी वेट लॉस होता है , मेटाबॉलिज्म बढ़ता है , थायराइड फंक्शन में बढ़ोतरी , तेजी से फैट बर्न होता है , डिस्क्लेमरः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

पूर्व विधायक ठुकराल ने नगर आयुक्त से की मुलाकात

रुद्रपुर। जी-20 सम्मेलन के दौरान एनएच 87 में अतिक्रमण के दायरे में आकर हटाए गए व्यापारियों को पुर्नस्थापित करने की मांग को लेकर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने नगर आयुक्त से मुलाकात की। उन्होंने नगर आयुक्त को ज्ञापन देकर वेंडिंग जोन में व्यापारियों को पुर्नस्थापित करने अथवा वैकल्पिक व्यवस्था बनाए जाने की मांग की। फड़ व्यवसायियों ने भी पूर्व विधायक ठुकराल के नेतृत्व में नगर आयुक्त विशाल मिश्रा को सौंपा। गुरुवार को विकास भवन कार्यालय में नगर आयुक्त को सौंपे गए ज्ञापन में पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि फड़ व्यवसायियों के सामने परिवार चलाने के लिए रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया है। उन्होंने व्यवसायियों को अन्यंत्र जगह वेंडिंग जोन में स्थान दिए जाने का आग्रह किया। नगर आयुक्त मिश्रा ने कहा कि जल्द वेंडिंग जोन कमेटी की बैठक बुलाई जाएगी। उन्होंने फड़ व्यवसायियों के हित में निर्णय लेने का आश्वासन दिया। इस दौरान विक्की गांधी, परवीन कुमार, प्रेमपाल प्रजापति, मो.नाजिम, मनमोहन सिंह, हरि सिंह, महेश पाल, धर्मवीर सिंह, रविंद्र पाल, आसिफ रजा, चंद्र प्रकाश, जलील अहम्मद,शराफत अली, लईक अली, मोनू आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड के लिए बड़ी चेतावनी, कभी भी आ सकता है 8 रिक्टर स्केल का भूकंप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 28 जुलाई : उत्तराखंड में लगातार भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। इस बार पिथौरागढ़ जिले में धरती डोल गई। यहां बीते दिन शाम 6:34 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। धरती के हिलने का अहसास होते ही डरे हुए लोग घरों से बाहर निकल आए। काफी देर तक लोगों की घर के भीतर जाने की हिम्मत नहीं हुई। भूकंप का केंद्र मुनस्यारी के मिलम ग्लेशियर क्षेत्र में पांच किलोमीटर की गहराई पर था।

जिला आपदा प्रबंधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार भूकंप से किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.2 मैग्नीट्यूड मापी गई। भूकंप क्योंकि कम तीव्रता का था, इसलिए ज्यादातर लोगों को इसके आने का पता ही नहीं चला। राहत इस बात की है कि क्षेत्र में कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। बता दें कि उत्तराखंड के चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी जैसे जिलों में लगातार भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं।

भूकंप के लिहाज से पूरा प्रदेश जोन चार और जोन पांच में आता है। पिछले कुछ वक्त से यहां लगातार भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं।

अप्रैल में उत्तरकाशी जिले में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। वैज्ञानिक पहले ही कह चुके हैं कि उत्तराखंड क्षेत्र में तुर्की-सीरिया से बड़ा भूकंप आने की आशंका है। उनका कहना है कि उत्तराखंड में जमीन के अंदर ज्यादा स्ट्रेस बन रहा है और इस तनाव को खत्म करने के लिए एक बड़ा भूकंप आ सकता है। वार्निंग दे दी गई है, हालांकि भूकंप के समय के बारे में वैज्ञानिक ठीक से जानकारी नहीं दे पाए हैं। इतना जरूर है कि विनाशकारी भूकंप कभी भी आ सकता है और इसकी तीव्रता 8 रिक्टर स्केल हो सकती है। उत्तराखंड में कम तीव्रता वाले भूकंप आते रहते हैं, लेकिन प्रदेश के चमोली में 1999 में 6.5 और उत्तरकाशी में 1991 में 6.4 तीव्रता के भूकंप भारी नुकसान पहुंचा चुके हैं।

सांकेतिक चित्र

जिलाधिकारी सोनिका ने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के सम्बन्ध में की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 जुलाई : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों में 09 बजे तथा मुख्य कार्यक्रम स्थल परेड ग्राउंड पर 10 बजे माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। प्रभात फेरी 07 बजे से 09 बजे तक होगी, जिसका समापन गांधी पार्क में होगा।जिलाधिकारी ने संस्कृति विभाग को निर्देश दिए 15 अगस्त की पूर्व संध्या पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाए। उन्होंने समस्त कार्यालयध्यक्षों को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर अपराहन 4 बजे से समस्त जनपद एवं कार्यालय परिसर एवं सड़क आदि स्थानों में स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तहसील, विकासखंड व ग्रामीण स्तर पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण लिए वन एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वतंत्रता सेनानियों एवं राज्य आंदोलनकारियों के परिजनों को सम्मानित किया जाए। नेहरू युवा समन्वय केंद्र को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन करने के निर्देश दिए,जिसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान एवं त्याग के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की जाए।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शहर के प्रमुख चौराहों पर देशभक्ति के गीतों का प्रसारण करने तथा एलईडी स्क्रीन लगाने तथा कार्यक्रमों की डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से प्रमुख स्थानों, चौराहों पर कार्यक्रम का सजीव प्रसारण, कार्यक्रम का अधिकाधिक लाइव स्ट्रीमिंग कराने के निर्देश जिला सूचना अधिकारी को दिए। उन्होंने शासकीय एवं ऐतिहासिक भवनों को प्रकाशमान किए जाने के भी निर्देश संबंधित विभागों को दिए। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समस्त स्थानीय केबल नेटवर्क में देश भक्ति के फिल्मों का प्रसारण के जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम एवं समस्त नगर निकायों को अपने-अपने क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, पार्क आदि की सफाई करने के निर्देश दिए। नगर निगम देहरादून को कार्यक्रम स्थल परेड ग्राउंड एवं स्थलों में साफ-सफाई व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, पेयजल, नगर निगम को परेड ग्राउंड में अस्थाई निर्माण कार्य, सीटिंग व्यवस्था, विद्युत, पेयजल,सफाई आदि समुचित व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। समस्त उप-जिलाधिकारी को अपने अपने क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम एवं प्रभात फेरी आयोजित करने तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रभात फेरी के दौरान चिकित्सक सहित एंबुलेंस तैनात करने के निर्देश दिए। नारी निकेतन, कारागार में मिष्ठान तथा चिकित्सालयों में फल वितरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला आबकारी अधिकारी को 14 अगस्त रात्रि 10 बजे से 16 अगस्त प्रातः 10 बजे तक शराब की दुकानें, कैंटीन समस्त आबकारी अनुज्ञापन बंद रखने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजी शरण शर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ एस के बरनवाल, पुलिस अधीक्षक नगर सरिता डोभाल, अपर नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून जगदीश लाल, मुख्य कोषाधिकारी रोमिल चौधरी, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चंद्र दुर्गापाल, उप जिलाधिकारी शालिनी नेगी, शेलेंद्र सिंह नेगी, वरुणा अग्रवाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रदीप रावत, सहायक निदेशक सूचना बद्री चंद नेगी, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी भास्कर कुलियाल, जिला पंचायतीराज अधिकारी विद्याधर सोमनाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी गोवर्धन सहित विद्युत, लोनिवि, पेयजल निगम आदि संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे तथा अन्य उपजिलाधिकारी व विभागीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

संक्षिप्त खबरें

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर केवी में हुई चर्चा

नई टिहरी। केंद्रीय विद्यालय नई टिहरी में नई शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न बोर्डों से जुड़े शिक्षा अधिकारियों ने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, उद्देश्य व प्रभावों को लेकर वृहत जानकारी देते हुए बताया कि नई शिक्षा नीति का मकसद आने वाली जनरेशन को लोकल से ग्लोबल तक ले जाने का है। केंद्रीय विद्यालय के पुस्तकालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में केवी के प्रधानाचार्य प्रदीप थपलियाल, डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता दीपक रतूड़ी, एनटीआईएस के गौतम विष्ट, अध्यापिका अनुपमा आदि ने संयुक्त रूप से पत्रकारों को बताया कि नई शिक्षा नीति से लागू हो चुकी है। विभिन्न बोर्डों व राज्यों में इस शिक्षा नीति के तहत जरूरतों के हिसाब से परिवर्तन भी शुरू हो चुके हैं। आने वाले समय में शिक्षा नीति में 38 सालों बाद हुए आमूल-चूल परिवर्तनों का प्रभाव देखने को मिलेगा। टन प्लस टू प्रणाली को बदलते हुए अब फाइव प्लस थ्री प्लस थ्री प्लस फोर पद्धति को लाया गया है। जिससे शुरूआती कक्षाओं में बच्चों का बोझ कम होने के साथ ही व्यवसाय परक शिक्षा की ओर भी फोकस किया जायेगा। इस शिक्षा नीति में वसुदेव कुटुम्बम की भावना को आगे बढ़ाने पर भी बल दिया गया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में इस नीति की ताकत को विश्व मान रहा है औ वसुदैव कुटुम्ब की भावना पर काम कर रहा है। 2030 तक नई शिक्षा नीति को पूरे देश में आत्मसात कर लिया जायेगा। जिसके बाद एक नई दौर की शिक्षा का प्रभाव पूरे देश में होगा।

नई शिक्षा नीति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, वैश्विक ज्ञान, प्रतिभाओं को उभारना, वैज्ञानिक सोच को बनाना, क्रियेटिविटी पर फोकस, आत्मविश्वास विकसित करना सहित तमाम गुणों के विकास पर फोकस करना है। शिक्षा को बोझ के बजाय मनोरंजक तरीक से इसे जीवन के उद्दयों से जोड़ते हुए शिक्षा से जीवन को सरल और सहज बनाना रहेगा। देश में नई शिक्षा नीति को लेकर पीएम मोदी सहित केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और तमाम शिक्षाविद् काम कर रहे हैं। इसमें अध्यापकों के ओरियनटेशन के लिए व्यापक प्रोग्राम दीक्षा पोर्टल के माध्यम से चलाये जा रहे हैं।

योग प्रशिक्षितों ने शिक्षा मंत्री का जताया आभार

श्रीनगर गढ़वाल। योग प्रशिक्षितों ने शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत का योग विषय को स्कूलों में शामिल कराए जाने पर स्वागत एवं धन्यवाद कार्यक्रम आयोजित किया। मौके पर योग संगठन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश भट्ट, विवि के योग विभाग के डा. विनोद नौटियाल, डा.रजनी नौटियाल एवं अन्य योग प्रशिक्षितों ने मंत्री का सम्मान कर आभार जताया। वहीं दूसरी ओर योग प्रशिक्षित महासंघ की बैठक में शिक्षा मंत्री द्वारा योग को स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में सम्मिलित कराए जाने के निर्णय पर खुशी प्रकट की। महासंघ के संरक्षक रामकृष्ण रतूड़ी ने कहा कि इस निर्णय से समस्त योग प्रशिक्षितों में ऊर्जा का संचार हुआ है। खुशी जताने वालों में दमयन्ती, ममता, सीमा, संजय भट्ट मनमोहन सिंह ,जगमोहन सिंह आदि मौजूद रहे।

विधायक ने किया जल गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला का शिलान्यास

श्रीनगर गढ़वाल। विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत बागवान में देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने जल जीवन मिशन के तहत जल गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला के लिए भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। विधायक कंडारी ने बताया कि 45 लाख 94 हजार रुपये की लगात से प्रयोगशाला के लिए भवन निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा। कहा कि क्षेत्र में प्रयोगशाला बनने से देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के सभी लोगों को जल परीक्षण की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि अभी तक श्रीनगर और देहरादून में ही पानी का परीक्षण किया जाता था, लेकिन अब देवप्रयाग के बागवान में भी लोग पेयजल का परीक्षण कर सकेंगे। कहा कि देवप्रयाग का प्रत्येक गांव हर घर नल हर घर जल से जुड़ गया है। कहा कि किसी भी गांव में पेयजल की किल्लत न हो इसको लेकर वह कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर जिला मंत्री नरेन्द्र कुंवर, प्रधान नरेश कोठियाल, केदार बिष्ट, रणजीत सिंह जाखी, विनोद रावत, देवेंद्र बलूनी, दीपक राणा, पंकज उनियाल मैजूद रहे।

भंडारी उपाध्यक्ष और रतूड़ी सचिव बने

श्रीनगर गढ़वाल। योग अनुदेशक संगठन जनपद टिहरी के संरक्षक मुरलीधर एवं वंदना बिष्ट की अध्यक्षता में आम बैठक आहुत की गई। बैठक में कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। जिसमें धर्म सिंह भंडारी को उपाध्यक्ष, नीलम चंद रमोला महिला उपाध्यक्ष, जगत नारायण रतूड़ी को सचिव, प्रियंका राणा को सह-सचिव, जसवीर पंवार को संगठन मंत्री, सुरेंद्र मेहरा को मीडिया प्रभारी, बलवंत मेहरा को कोषाध्यक्ष, संजय रमोला को सहमीडिया प्रभारी, गीताराम भट्ट, रीता बिष्ट, राहुल बडोनी, महादेव रतूड़ी, संजीव रावत, रिंकि पंवार, राहुल पंवार, सूर्यकांत बडोनी, कुसुम नेगी, पूजा चौहान आदि को सदस्य बनाया गया।

बैकुंठ मार्ग उत्तराखंड में तो रूस में है नर्क का द्वार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 जुलाई , अगर देवभूमि उत्तराखंड में कथा के अनुसार स्वर्ग का रास्ता यानी बैकुंठ मार्ग है तो क्या धरती पर ही नर्क का द्वार है. यदि ऐसा है तो क्या ये धरती के माथे पर दाग है. क्योंकि आज हम बात करेंगे कि नर्क के उसी द्वार की रूस के पूर्वी इलाके में बाटागाइका नाम का एक क्रेटर है जिसे नर्क का द्वार कहा जाता है. लेकिन but सवाल यह कि आखिर ऐसा क्यों है. दरअसल कुछ दशक पहले यह इलाका बर्फ से ढंका हुआ था..बर्फ पिघलने के बाद जब इसकी तस्वीर सामने आई तो हर कोई हैरान था. पृथ्वी की सतह से इसकी गहराई इतनी अधिक थी यहां लोग जाने से डरने लगे. इसे धरती के माथे पर दाग भी कहने लगे. इसकी साइज में लगातार इजाफा हो रहा है.1960 में इसके बारे में जानकारी मिली. बताया जाता है कि इस इलाके में बड़े पैमाने पर वनों के विनाश की वजह से सतह की मिट्टी कमजोर हुई और धंस गई.साल दर साल इसके आकार में इजाफा होता गया.कुछ जानकार बताते हैं कि 10 से 30 मीटर की रफ्तार से हर वर्ष इसमें बढ़ोतरी हो रही है.

इसके पीछे जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार बताया जा रहा है. रॉयटर्स के मुताबिक एक खोजीदल बाटागाइका के क्रेटर में उतरा था और अविश्वसनीय साक्ष्य हासिल की. उन्होंने क्रेटर को अंदर से देखा था. इसके साथ रूस के अलग अलग हिस्सों में असामान्य भूगर्भीय बदलावों के गवाह बन रहे हैं. 1 2020 में एक ऐसे ही खड्डु के बारे में जानकारी मिली जिसका व्यास 20 मीटर और गहराई 30 मीटर थी. यह खड्डु साइबेरिया के उत्तर पश्चिम इलाके में पाया गया.

एक नजर में बाटागाइका क्रेटर

रूस के साइबेरिया में इलाके में चेरस्की माउंटेन रेंज में यह बाटागाइका क्रेटर है। यह क्रेटर याना और इंडिगिरिका नदियों के बीच में है। स्थानीय लोग इसे पाताल लोक का रास्ता बताते हैं। टैडपोल की आकार के इस क्रेटर की गहराई करीब 100 मीटर और 1 किमी इलाके में फैलाव है ।हांलाकि इसके चारों तरफ सघन झाड़ियां हैं। वैज्ञानिक इसे मेगास्लंप का नाम देते हैं

एक्वेरियम में भूलकर भी ये जीव मत पालिएगा, जेल हो जाएगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 जुलाई , वैसे तो घर में एक्वेरियम इसलिए रखा जाता है क्योंकि इससे घर की सजावट अच्छी लगती है लेकिन लोग ऐसा कहते हैं कि घर पर फिश एक्वेरियम रखने से पॉजिटिव एनर्जी होती है. लेकिन एक्वेरियम रखने से पहले यह बात जरूर जान लें कि इसमें कौन-कौन से जानवर नहीं पालने चाहिए.

आपने तमाम घरों में देखा होगा कि वहां एक्वेरियम लगाए जाते हैं. एक्वेरियम लगाने का मकसद यह होता है कि लोग इसे शुभ मानते हैं और ऐसा भी माना जाता है कि एक्वेरियम लगाने से लोगों को अच्छा महसूस होता है, उन्हें पॉजिटिव एनर्जी मिलती है. इतना ही नहीं ये दिखने में भी खूब शानदार लगते हैं और घर की सजावट अच्छी लगने लगती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक्वेरियम में पालने वाले जीवों के कुछ नियम भी होते हैं. लोग मछलियों के अलावा एक्वेरियम में कछुआ भी पाल लेते हैं. लेकिन ऐसा करना जेल जाने का कारण भी बन सकता है.

दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कछुए की कुछ ऐसी प्रजातियां हैं जिसे आप एक्वेरियम में नहीं पाल सकते हैं. आइए आज इसी के बारे में चर्चा करते हैं. एक्वेरियम में पालने के लिए आपको विचार करना होगा कि आप कौन से प्रकार के जीव पालना चाहते हैं. यह आपकी पसंद के साथ-साथ एक्वेरियम में रहने वाले जीवों के नियमों पर निर्भर करता है. इनमें कछुए और मछलियां जैसे जीव शामिल हैं. लेकिन इसके लिए आपको सावधान रहने की जरूरत है कहीं ऐसा ना हो कि नियमों का उल्लंघन हो जाए.

विलुप्त प्रजाति के कछुओं को पालने पर कठोर कार्रवाई होती है. भारतीय कछुआ पालना भी दंडनीय अपराध है. इसमें 6 माह से लेकर 3 साल तक की सजा का प्रावधान है. वहीं जो विदेशी नस्ल के कछुए हैं, उन्हें पाल सकते हैं. लेकिन इसमे भी अनुमति की जरूरत पड़ती है. स्टार नस्ल का कछुआ पालने पर कठोर सजा का प्रावधान है. वाइल्ड लाइफ एक्ट के तहत कानून का उल्लंघन माना जाता है और पालने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है. एक अन्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में कछुए की 25 से ज्यादा ऐसी प्रजातियां हैं, जो विलुप्ति की कगार पर हैं.

सांकेतिक चित्र

हैंडपंप या बोरिंग से तेज़ धार में पानी कैसे निकलता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 जुलाई , आपने देखा होगा कि जब भी बोरिंग की मशीन को ऑन करते हैं तो पानी आने लग जाता है. खास बात ये है कि बोरिंग का पानी आता भी काफी तेज है. ऐसे लगता है कि जैसे किसी टैंक या कहीं खूब सारे भरे हुए पानी से पानी खींचा जा रहा हो. ये आप जानते हैं बोरिंग में पानी जमीन से निकलता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर जमीन के नीचे पानी किस तरह जमा होता है. क्या नीचे कोई तालाब है या फिर धरती के नीचे सिर्फ पानी ही पानी है, जिसकी वजह से जहां भी बोरिंग करते हैं तो पानी निकल जाता है.

सांकेतिक चित्र

जमीन के अंदर जमा पानी मिट्टी, रेत, चट्टान की दरारों में और अलग अलग स्थानों में होता है. दरअसल, जमीन के अंदर कुछ खास पानी वाली खास चट्टानें होती हैं, जिन्हें Aquifers कहा जाता है. कई लोगों इन्हें हिंदी में जलभृत भी कहते हैं और यहां काफी पानी जमा होता है. ऐसा नहीं है कि जमीन के नीचे सिर्फ पानी ही है और पानी तालाब के रूप में जमा है. ये भी अलग अलग भूगोल के हिसाब से अलग अलग जगह जमा है, जैसे कई जगहों पर 100 फुट अंदर जाने पर पानी मिल जाता है तो कई जगह 500 फुट पर भी पानी नहीं है. यानी जमीन के नीचे जो पानी है, वो कुछ कुछ हिस्सों में अलग अलग जमा होता है.

बता दें कि जमीन के नीचे 2 फीसदी से भी कम पानी है और करीब 97 फीसदी पानी जमीन के ऊपर नदी और समुंदर के रुप में है. साथ ही ये भी मतलब नहीं है कि पानी हर जगह होता है और एक्सपर्ट अलग अलग तरीकों से पता करते हैं कि कहां पानी है और उसके बाद वहां बोरिंग किया जाता है. इसके अलावा कई जोन होते हैं, जो सॉइल वाटर जोन, इंटरमीडिएट जोन उनमें अलग तरीके से पानी जमा होते हैं.

संक्षिप्त खबरें

डीसीबी ने मृतक किसानों के परिजनों के लिये ओटीएस स्कीम लागू की

नई टिहरी। सहकारिता विभाग से ऋण लेने के बाद मृतक किसानों के परिजनों के लिए डीसीबी टिहरी वन टाइम सेटमेंटर(ओटीएस) स्कीम लागू की है। स्कीम के तहत केवल मूलधन की जमा करना होगा। ब्याज का भुगतान बैंक और समिति वहन करेंगी। मूलधन जमा करने के बाद ऐसे काश्तकार सहकारिता के चुनाव और बैंक की योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। गुरुवार को जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष सुभाष चंद रमोला ने पत्रकारों को जानकारी देते हुये बताया कि जिले में बीते वर्षों में 3405 ऐसे काश्तकार हैं, जिन्होंने बैंक और समितियों के माध्यम से ऋण लिया, लेकिन उनकी मृत्यु होने से उन पर बैंक का 5.21 करोड़ का मूल ऋण के साथ 3.19 करोड़ की ब्याज का बकाया है। सरकार ने ऐसे लोगों के परिजनों के लिए ओटीएस स्कीम लागू की है। 388 मृतकों के परिजनों ने ओटीएस स्कीम में आवेदन किया है। बताया ब्याज का 60 प्रतिशत समिति और 40 बैंक अपने संसाधनों से वहन करेगा। वार्ता में अध्यक्ष ने बीते पांच साल का लेखा जोखा भी रखा, बताया कि 2018 में बैंक की डिपॉजिट 758 करोड़ थी, जो बढक़र 1100 करोड़ हो गई है। बैंक ने पांच साल में 591 करोड़ रूपये का ऋण बांटा। पांच साल के भीतर बैंक को नौ करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ है। एनपीए वसूली में डीसीबी टिहरी ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया। पूर्व के एनपीए को 12 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत पर लाया है। टिहरी में एसबीआई के बाद डीसीबी सर्वाधिक लाभ कमाने वाला बैंक बना है। बैंक ने राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत करीब 16 करोड़ का ऋण बांटा है। मौके पर बैंक महाप्रबंधक संजय रावत, उपाध्यक्ष विनोद रावत, निदेशक नरेश नेगी, जयप्रकाश चंद, सतपाल कलूड़ा, टीकाराम, गोविंद सिंह, डीजीएम बलवीर पुंडीर, नारायणी सिंह, संजीव कुमार, यशवंत भंडारी आदि उपस्थित थे।

कौंसी स्मृति फेलोशिप के लिए 10 तक आवेदन

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के पॉल्यों जिसने इंटरमीडिएट परीक्षा या आईआईटी प्रवेश परीक्षा सर्वोच्च अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो उनसे कौंसी स्मृति फेलोशिप-2024 के लिए 10 अगस्त तक आवेदन मांगे गए हैं। उत्तराखंड विवि कर्मचारी महासंघ के मुख्य संरक्षक राजेंद्र सिंह भंडारी ने बताया कि जिन कर्मचारियों के पॉल्यों ने इंटरमीडिएट तथा आईआईटी प्रवेश परीक्षा सर्वोच्च अंक के साथ उत्तीर्ण की वह 10 अगस्त तक फेलोशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। कहा इसके लिए अंकतालिका व आईडी कार्ड की छाया प्रति प्रवजन प्रमाण पत्र अनुभाग में उनके पास या लीगल अनुभाग में कुलदीप रावत के पास जमा कर सकते हैं। कहा 10 अगस्त के बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

हरिद्वार के लिए महाराज ने जिला योजना में 6234.48 लाख रूपये स्वीकृत किये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 28 जुलाई , प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, लघु सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, संस्कृति, जलागम प्रबन्धन एवं भारत-नेपाल उत्तराखण्ड नदी परियोजना मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज की अध्यक्षता में मेला नियंत्रण भवन (सी0सी0आर0) में जिला योजना समिति की बैठक आयोजित हुई। प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि वार्षिक जिला योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में जनपद हरिद्वार का परिव्यय 6234.48 लाख रूपये अनुमोदित किया गया है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में जनपद का अनुमोदित परिव्यय 4942.00 लाख रूपये था।

कैबिनेट मंत्री ने वार्षिक जिला योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के सम्बन्ध में विस्तार से बताते हुये कहा कि सामान्य मद में 4903.48 लाख रूपये, अनुसूचित जाति मद में 1300.00 लाख रूपये एवं अनुसूचित जनजाति मद में 31.00 लाख निर्धारित किये गये हैं। उन्होंने बताया कि 50 प्रतिशत धनराशि पुराने चालू कार्यों/वचनबद्ध मदों/चालू मदों में खर्च होगी तथा कुल परिव्यय का लगभग 15 प्रतिशत कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित रेखीय विभागों तथा शेष लगभग 50 प्रतिशत धनराशि नवीन कार्यों, जीर्णोद्धार/सुदृढ़ीकरण एवं अनुरक्षण के कार्यों में खर्च की जायेगी।

आपदा का जिक्र करते हुये उन्होंने कहा कि जनपद हरिद्वार के कई क्षेत्र अतिवृष्टि की वजह से आपदा प्रभावित क्षेत्र हैं तथा मुख्यमंत्री से सलाह मशविरा करके आपदा के अन्तर्गत जो भी कार्य करने होंगे वे किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त आपदा प्रभावित क्षेत्रों का आकलन करने के लिये एक केन्द्रीय टीम भी यहां आ रही है। जगह-जगह हो रहे जल भराव का उल्लेख करते हुये कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बहुत से नाले पहले उत्तर प्रदेश के पास थे, लेकिन अब वे उत्तराखण्ड के अधीन हैं, ऐसे नालों आदि की सफाई के लिये एक ड्रेनेज विभाग सृजित करने के लिये प्रस्ताव लाया जायेगा।

जिला योजना समिति की बैठक में जिलाधिकारी धीराज सिंह गब्र्याल एवं मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन ने विभिन्न विभागों-कृषि, उद्यान एवं भेषज, गन्ना विकास, पशु पालन, दुग्ध, मत्स्य, सहकारिता, रेशम, वानिकी, सामुदायिक विकास, सिंचाई, सिंचाई नलकूप, लघु सिंचाई, वैकल्पिक ऊर्जा,(उरेडा), लोक निर्माण, सूचना, माध्यमिक शिक्षा, खेलकूद, युवा कल्याण, होम्योपैथिक चिकित्सा, एलोपैथिक चिकित्सा, पंचायती राज विभाग, जल संस्थान, पेयजल निगम, पर्यटन, अर्थ एवं संख्या, लघु उद्योग विभाग आदि को कितना बजट प्रस्तावित किया जा रहा है, प्रस्तावित धनराशि से कौन-कौन से कार्य किये जायेंगे तथा इनसे कितने व्यक्ति आदि लाभान्वित होंगे, के सम्बन्ध में विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया, जिसका अनुमोदन जनपद प्रभारी मंत्री ने किया।

समिति की बैठक में रूड़की विधायक प्रदीप बत्रा, ज्वालापुर विधायक ई0 रवि बहादुर, भगवानपुर विधायक ममता राकेश, झबरेड़ा विधायक विरेन्द्र कुमार, पिरान कलियर विधायक फुरकान अहमद, मंगलौर विधायक सरबत करीम अंसारी, लक्सर विधायक शहजाद, हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत तथा जिला योजना समिति के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की जन-समस्याओं को प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज के सम्मुख रखा, जिस पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जिन क्षेत्रों की जो भी समस्या है उनका समाधान अवश्य किया जायेगा।

संपादकीय

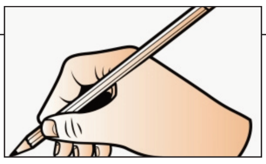

तीसरी अर्थव्यवस्था की गारंटी

विपक्ष की तर्ज पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी 'चुनावी गारंटी' परोसना शुरू कर दिया है। इधर उन्होंने दो खास गारंटियां दी हैं। पहली गारंटी भाजपा और एनडीए के नेताओं-सांसदों को दी है कि 2024 में भी उनकी जीत तय है और 50 फीसदी से अधिक जनमत मिलने का विश्वास है। ऐसे दावे तो विपक्ष भी कर रहा है कि मोदी सरकार का सफाया तय है। कमोबेश चुनावों तक ऐसे दावे और गारंटियां जारी रहेंगी। जनादेश ही सच को सत्यापित करेगा। बहरहाल प्रधानमंत्री की दूसरी गारंटी यह है कि उनकी सत्ता के तीसरे कार्यकाल के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। फिलहाल भारत 5वीं अर्थव्यवस्था है। जापान और जर्मनी क्रमशः तीसरे-चौथे स्थान पर हैं। देश की अर्थव्यवस्था का कुल श्रेय प्रधानमंत्री या सत्ताधीशों को नहीं दिया जा सकता। सीधा गणित है कि देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और आर्थिक विकास दर कितनी हैं। देश की वस्तुओं और सेवाओं का सकल मूल्य कितना है। जब 2014 में नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री चुने गए थे, तब भारत की जीडीपी 2039 अरब अमरीकी डॉलर की थी और हम 10वें स्थान की अर्थव्यवस्था थे। चूंकि उसके बाद आर्थिक विकास दर 5-6 फीसदी से भी अधिक रही, कभी 8 फीसदी को भी छुआ और अन्य कथित बड़े देशों की औसत आर्थिक बढ़ोतरी कम रही, नतीजतन भारत 2023 में 3737 अरब डॉलर की जीडीपी के साथ 5वें स्थान पर है। यानी भारत आज भी कुल 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है। जापान और जर्मनी 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्थाएं हैं। दरअसल जीडीपी में देश के आकार, आबादी, बाजार, खरीद-क्षमता, उत्पादन आदि की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत, जापान और जर्मनी की तुलना में, कई गुना विशाल और व्यापक देश है। अमरीका की आबादी करीब 33 करोड़ है, लेकिन वह 26 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था है। चीन विश्व का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है, जिसकी अर्थव्यवस्था 19 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की है। जब भारत 2027 में 5153 अरब डॉलर, अर्थात् 5 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा, के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा, तब अमरीका 31 ट्रिलियन डॉलर से अधिक और चीन 25 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा अर्थव्यवस्था वाले देश होंगे।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

बिना बोले पढ़ने बैठ जाएगा बच्चा कमाल की हैं ये पेरेंटिंग टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 जुलाई , क्या आप बच्चों को पढ़ने के लिए डांटते है ? क्या आपका बच्चा पढ़ने से कतराता है ? अगर ऐसा है तो हमारी इस खबर को पढ़िए क्योंकि बच्चों की पढ़ाई और शिक्षा हमारे जीवन के एक महत्वपूर्ण पहलू है. परंतु कभी-कभी बच्चों को पढ़ाई में मन नहीं लगता है और वे इसे एक बोझ मानने लगते हैं. इससे उनके शिक्षा कोष में कमी होती है और पढ़ाई में कमजोरी आती है. परेशान होने की बजाय हमें अपने बच्चों को पढ़ाई में मन लगाने के तरीके सिखाने चाहिए.

1. प्रेरणा दें: बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझाने के लिए हमें उन्हें प्रेरित करना चाहिए. कहानियों, उदाहरणों, और महान व्यक्तियों के जीवन से सीख लेने के लिए बच्चों को प्रेरित करें. उन्हें यह बताएं कि ज्ञान ही उन्हें आगे बढ़ने में सहायक होगा और सपनों को पूरा करने में मदद करेगा.

2. रोमांचक और सरस शिक्षा का वातावरण: शिक्षा को रोमांचक और सरस बनाने के लिए हमें बच्चों को सकारात्मक वातावरण प्रदान करना चाहिए. उनके पढ़ाई के कक्षा को आकर्षक रंगों से सजाएं, दीवारों पर उनके बनाए गए चित्र लगाएं, और स्टडी टेबल को उनके रूचि और आकार के अनुसार सजाएं.

3. खेल-खिलाड़ियों की कहानियां: बच्चों को समझाने के लिए हमें उन्हें उनके पसंदीदा खेल-खिलाड़ियों के जीवन से जुड़ी कहानियां सुनानी चाहिए. उन्हें बताएं कि उन्होंने अपने उच्चतम सपनों को कैसे पूरा किया और कठिनाइयों का सामना कैसे किया। यह उन्हें प्रेरित करेगा और पढ़ाई में उनकी रूचि बढ़ाने में मदद करेगा.

सांकेतिक चित्र

4. सीखने को खेल बनाएं: बच्चों को बोर्ड खेल, पहेलियाँ, और शिक्षा से संबंधित अन्य खेल खिलाकर उन्हें सीखने का मजा दिलाएं. यह उन्हें सीखा हुआ ज्ञान और नए अनुभवों के साथ शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ाने में मदद करेगा.

5. उनके सवालों का समर्थन करें: बच्चे अपने विचारों, प्रश्नों, और समस्याओं को साझा करना पसंद करते हैं. हमें उनके सवालों का समर्थन करना चाहिए और उन्हें उत्तर ढूंढने के लिए प्रोतसाहित करना चाहिए. उन्हें जबरदस्ती से सवालों को या शिक्षा से जुड़े किसी भी प्रकार के प्रश्नों को अनदेखा करने से बचें.

6. उन्हें समझाएं, न डांटें: जब बच्चों को कुछ समझ नहीं आता है या वे कोई गलती करते हैं, तो हमें उन्हें समझाने की कोशिश करनी चाहिए, न कि उन्हें डांटना. उन्हें सही दिशा में पढ़ाई में मन लगाने के लिए उन्हें समझने के तरीके सिखाने चाहिए.

पढ़ाई में मन लगाने के लिए ये थे कुछ आसान और क्रिएटिव तरीके. हमें अपने बच्चों के साथ सकारात्मक वातावरण सृजित करना चाहिए जिससे उन्हें शिक्षा के प्रति रूचि और उत्साह बढ़ेगा. इससे उनका सीखने का मन बढ़ेगा और वे अपनी पढ़ाई में अधिक लगन डालेंगे. इससे हमारे बच्चे अपने उच्चतम सपनों को पूरा करने में सफल होंगे और जीवन में आगे बढ़ेंगे.

पौड़ी एसएसपी श्वेता चौबे ने परमार्थ निकेतन फर्जीवाड़ा का किया खुलासा, मास्टरमाइंड अरेस्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 28 जुलाई , बीते दिनों स्वामी सुखदेवानन्द, ट्रस्ट परमार्थ निकेतन के मैनेजर रामानन्द तिवारी ने जब थाना लक्ष्मणझूला पर एफआईआर लिखवाई तो इस अपराध के तरीके से पुलिस भी हैरान हो गयी क्योंकि साइबर ठगो का खेल ही कुछ ऐसा था। प्रथम सूचना रिपोर्ट कहती है कि पीड़ित के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति ने परमार्थ निकेतन के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाकर ऑनलाइन कमरा बुक करने पर अलग अलग बैंक खातों में धनराशि जमा करा कर ऑनलाइन धोखाधड़ी व ठगी की है।एफआईआर के आधार पर थाना लक्ष्मणझूला में केस लखा गया और फिर फ्रंट पर आई अनुभवी आईपीएस और शातिर अपराधियों की हर चाल को नाकाम करने में माहिर टीम पौड़ी की कैप्टेन एसएसपी श्वेता चौबे ..

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेती चौबे ने इस सनसनीखेज साइबर गुनाह और शातिर तरीको को समझते हुए मामले को बेहद गम्भीरता और तेज़ी से खुलासे का प्लान तैयार किया और गुनहगारों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिए एक टीम बनाकर उन्हें एक्शन और रिजल्ट के निर्देश दिए ... टीम की कमान मिली बेहद अनुभवी अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार शेखर चन्द्र सुयाल को और क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन विभव सैनी के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मणझूला, प्रभारी सीआईयू व प्रभारी साइबर सेल के नेतृत्व में पुलिस टीम हरकत में आ गयी।

इस पुलिस टीम ने तेज़ी से कार्यवाही करते हुए अभियुक्त द्वारा ऑनलाइन बुकिंग के लिये उपलब्ध कराए गए मोबाइल नम्बर व दिए गए फर्जी अकाउन्ट नम्बरों की जाँच की जिसमें अभियुक्त द्वारा फर्जी अकाउन्ट नम्बरों पर कई व्यक्तियों व श्रद्धालुओं से कमरे बुक कराये जाने के नाम पर पैंसे जमा कर धोखाधड़ी की गयी। जिसकी मॉनिटरिंग खुद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे कर रही थीं। पुलिस टीम ने राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली आदि स्थानों पर जाकर बैंकों के एटीएम चैक किये गये तथा बैंकों से की गई ट्रांजैक्शन के आधार पर अभियुक्त की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज के माध्यम इन स्थानों के एचडीएफसी बैंक आनंद लोक साउथ दिल्ली के एटीएम पर एक संदिग्ध व्यक्ति को पैसे निकलते देखा।

इस बीच टीम ने बेहद शार्प एक्शन लेते हुए संदेहास्पद लकीरों का सटीक पीछा किया और तब पकड़ में आया असली मास्टरमाइंड जिसको जामिया मिलिया दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। घटना के तेज़ी से खुलासे पर जहाँ एसएसपी ने टीम को बधाई दी वहीँ परमार्थ निकेतन ने भी पौड़ी पुलिस को आभार जताया है। शातिर अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि वे ऐसे ही संस्थानों के नाम से फर्जी वेबसाइट बनवाते हैं और फर्जी बैंक खाते खुलवाकर उनके एटीएम डेबिट कार्ड प्राप्त करते हैं। वेबसाइट पर खातों से लिंक गूगल पे पर धनराशि उड़ा ली जाती थी ।आपको बता दें इस अपराधी का नाम यूनुस है जिसकी उम्र केवल 27 साल है ,जो भरतपुर राजस्थान का रहने वाला है।

शहीद के परिवार को इन्साफ दिलाने धामी से मिलेंगे धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 जुलाई , सैन्य धाम में शहीदों के परिजन अपने हक़ के लिए आज भी संघर्ष कर रहे हैं और सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं लेकिन दस साल बाद भी हालात जस के तस हैं। 11 वीं बरसी पर शहीद को पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे उत्तराखंड के वरिष्ठ कांग्रेस लीडर सूर्यकान्त धस्माना से शहीद के परिवार से मिलकर उनको भरोसा दिया है कि वो जल्द सीएम धामी से मिलकर उनकी फ़रियाद पहुंचाएंगे और उनका हक़ भी दिलाएंगे

सरकार बयानबाजी नहीं धरातल पर पूरी करें घोषणा - धस्माना

27 जुलाई 2013 को कुपवाड़ा में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले आरआर के राइफल मैन मनोज राणा की ग्यारवहीँ बरसी पर राजपुर डाकपट्टी पर मनोज राणा द्वार पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने शहीद को पुष्पांजलि दी और शहीद की माता उषा राणा बहन पिंकी राणा व अन्य परिजनों से मिलकर उनका हाल चाल जाना। राजपुर निवासी शहीद मनोज की माता उषा राणा ने बताया कि 2014 में शहीद के आश्रित के रूप में जो अस्थायी नौकरी क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय में उनके (धस्माना) के प्रयासों से मिली थी लेकिन but वह आज 10 वर्ष बाद भी स्थायी नहीं हुई।

शहीद मनोज राणा के आश्रित को दस साल बाद भी नहीं मिली स्थायी नौकरी

उन्होंने कहा कि हम दस सालों में केंद्र सरकार राज्य सरकार क्षेत्रीय जंन प्रतिनिधियों को लिख लिख कर थक गए किंतु but इस मामले में कोई सुनवाई नहीं हुई केवल आश्वासन ही मिलते हैं । हांलाकि सूर्यकान्त धस्माना ने परिवा- रजनों को भरोसा दिया कि वे इस संबंध में शीघ्र मुख्यमंत्री धामी से मिलेंगे व उनसे शहीदों के आश्रितों को नौकरी के मामले में बजाय हवाई और कोरी घोषणाएं करने के धरातल पर अमल करने की मांग करेंगे। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने शहीद मनोज राणा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय विद्यालयों में नई शिक्षा नीति की जानकारी दी

चमोली। केन्द्रीय विद्यालय गोपेश्वर में गोपेश्वर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की तीसरी वर्षगांठ पर आयोजित प्रेस वार्ता में गुरुवार को केंद्रीय विद्यालय गोपेश्वर के प्रधानाचार्य अजय घिल्डियाल ने कहा कि देश में कुल 1250 तथा विदेश में स्थित तीन केंद्रीय विद्यालय जिनमें 14 लाख से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। सभी केंद्रीय विद्यालय छात्रों की अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाने, रटने के बजाय आलोचनात्मक सोच और वैज्ञानिक स्वभाव को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अक्षरशः पालन कर रहे हैं। गोपेश्वर केन्द्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में कक्षा 1 में प्रवेश आयु में बदलाव किया गया है, बाल वाटिका की स्थापना , मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता(एफएलएन) ,निपुण, विद्या प्रवेश, विद्यांजलि, पीएम ई-विद्या, फाउंडेशन स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा तथा कौशल विकास व जादुई पिटारा एवं खिलौना आधारित शिक्षण विधि के माध्यम से पठन-पाठन को छात्रों के लिए और अधिक आकर्षक तथा रोचक बना दिया गया है । हितधारक के रूप में अभिभावकगण को भी शिक्षण-प्रक्रिया में शामिल किया गया है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन मे शिक्षकों को इस शिक्षा नीति के अनुरूप समय-समय पर प्रशिक्षित किया जा रहा है । प्रधानाचार्य घिल्डियाल ने बताया कि निश्चय ही एर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन प्रोग्राम योग्यताधारी शिक्षक ही बालवाटिका में पढ़ाने के योग्य होंगे। पीस पब्लिक स्कूल की उपप्राचार्या शशि देवली ने पीस पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि उनके विद्यालय में नयी शिक्षा नीति के अनुसार प्रवेश दिए जा रहे हैं। विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा है, जिसमें रटने पर नहीं बल्कि सीखने पर ज़ोर रहता है। कार्यक्रम का संचालन हिंदी शिक्षक घनश्याम द्वारा किया गया। केंद्रीय विद्यालय गोपेश्वर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पौधरोपण किया गया।

एडी माध्यमिक को दी विदाई

पौड़ी। अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा गढ़वाल मंडल महावीर सिंह बिष्ट को तबादले पर कर्मचारियों ने उन्हें विदाई समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी। इस मौके पर विधायक राजकुमार पोरी भी मौजूद रहे। इस मौके पर मौजूद कर्मचारियों व विधायक द्वारा एडी माध्यमिक को स्मृति चिह्न व शॉल भेंटकर फूल माला पहनाते हुए सम्मान किया गया। इस मौके पर विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि एडी माध्यमिक गढ़वाल मंडल के पद पर उनका कार्यकाल बेहतरीन व सराहनीय रहा है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा उत्तराखंड की अहम जिम्मेदारी मिली है। उन्हें पूरा विश्वास है कि वे इस जिम्मेदारी को भी पूरी ईमानदारी के साथ निभाएंगे। इस मौके पर विधायक ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तो वही सभी कर्मचारियों ने उनके कार्यकाल के अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्हें विदाई दी। इस मौके पर एडी बेसिक केएस रावत, डीईओ माध्यमिक रामेंद्र कुशवाहा, पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयदीप रावत, प्रांतीय महासचिव सीताराम पोखरियाल, संग्राम सिंह, केशर असवाल, भवान सिंह नेगी, डा.कमलेश कुमार मिश्रा आदि शामिल रहे।